सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 05 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 129, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

» Pg12

इनसाइड बचऊपुर की पुलियाः जानलेवा खामोशी की दहलीज़ पर » Pg03

भीषण अग्निकांडः हथौड़े से तोड़ीं दीवारें, धुएं से घुटा दम

परिवार के पांच लोगों को निगल गई अवैध बिल्डिंग

माता-पिता और 3 बेटियां जिंदा जली, नीचे फ्लोर पर जूता फैक्ट्री, ऊपर थी फैमिली, सब कुछ हुआ तबाह

तीन धमाकों से हिली बिल्डिंग

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। कानपुर के चमनगंज थाना इलाके में घनी आबादी वाले प्रेमनगर इलाके में रविवार रात 9:30 बजे छह मंजिला इमारत के भूतल में जूते बनाने वाले कारखाने में आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटें देख अफरातफरी मच गई। दमकल की 35 गाड़ियां देर रात तक आग बुझाने की कोशिश में जुटी रहीं। सुबह तक आग पर काबू पाया गया। घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई। मकान की तीसरी मंजिल पर दंपती और चौथी मंजिल पर सीढ़ियों के पास तीनों बेटियों के शव बरामद हो गए। शव इस कदर जल चुके थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया।

बिल्डिंग में आज सोमवार सुबह तक आग से लपटें निकलती रहीं, इस दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पानी डालकर उसे पूरी तरह बुझाने में जुटी हुई हैं। वही भीषण अग्निकांड के चलते पूरे इलाके की बिजली काट दी गई थी जिसे अब केस्को की टीम द्वारा दुरुस्त कराया जा रहा है। प्रेमनगर की पांच मंजिला बिल्डिंग मो.कासिफ की है, वह परिवार के साथ यहां रहते हैं। इसी में जूता-चप्पल बनाने का कारखाना है जो कासिफ का है। इसी बिल्डिंग में कासिफ के भाई दानिश भी पत्नी नाजली सबा और तीन बेटियों सारा, सिमरा और नायरा के साथ रहते थे।

रविवार देर रात आग सबसे पहले भूतल में लगी और एक बाद एक तीन धमाके हुए। इसके बाद आग तीसरी मंजिल तक पहुंची तो दो तेज धमाके और हुए। पांच मिनट बाद तीसरा धमाका हुआ। इसके बाद कारखाने में रखे केमिकल और सिलिडरों में ब्लास्ट के चलते आग से पूरी बिल्डिंग घिर गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार आग से बचने के लिए पहले परिवार नीचे भागा लेकिन आग की लपटे देखकर बचने के लिए ऊपर भाग तो जीने में ताला बंद था जिसमें धुएं में फंसकर सभी बेसुध हो गए। आग में फंसे दानिश के बुजुर्ग पिता अकील को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। हादसे के समय कासिफ और उसका परिवार जाजमऊ में था। चारों तरफ से घिरे दानिश और उनके परिवार की आग में जिंदा जलकर तड़प तड़प कर मौत हो गई।

सुबह सभी के शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। सुबह 10 बजे तक भी बिल्डिंग से धुआं उठता रहा जिसके चलते फायर ब्रिगेड के जवान उसे पूरी तरह बुझाने में जुट रहे। सुबह केस्को की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में बिजली की आपूर्ति बहाल करने में जुट गई।

दोबारा फिर लग गई आग

रात 12:15 बजे हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म लाया गया, जिससे बचाव अभियान में तेजी आई। दोपहर एक बजे आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन धुएं के कारण बाधा आई। इसी बीच देर रात 1:20 बजे फिर आग लग गई। करीब 1:45 बजे आग बुझाने के बाद दमकलकर्मी अंदर दाखिल हुए, लेकिन पहली मंजिल पर फिर आग लग गई। आग पर 2:45 बजे काबू पाया जा सका।

आग सबसे पहले पहली मंजिल पर लगी और एक के बाद एक तीन धमाके हुए। इसके बाद जब आग तीसरी मंजिल पर पहुंची तो दो और जोरदार धमाके हुए। तीसरा धमाका पांच मिनट बाद हुआ। आशंका है कि एलपीजी सिलेंडर फट गए होंगे। महज 20 मिनट के अंतराल में आग पांचवीं मंजिल तक पहुंच गई। जाजमऊ निवासी मिस्ताहुल हक इसरत इराकी ने बताया कि उनका 45 वर्षीय भतीजा दानिश, उनकी पत्नी नाजरीन, 15 वर्षीय बेटी सारा, 12 वर्षीय सिमरा और सात वर्षीय इनाया इमारत की तीसरी मंजिल पर थे।

अवैध रूप से चल रही थी जूता फैक्ट्री

इमारत में न तो आपातकालीन निकास था और न ही आग बुझाने के इंतजाम थे। संकरी सड़क होने के कारण दमकलकर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इमारत मो. काशिफ की है। पहली और दूसरी मंजिल पर जूता-चप्पल बनाने की फैक्ट्री है, जबकि तीसरी और चौथी मंजिल पर काशिफ और भाई दानिश का परिवार रहता था।

» दंपती के तीसरी और बेटियों के शव चौथी मंजिल पर सीढ़ियों के पास मिले।

» रह-रहकर सुलग रही आग, केस्कोकर्मी इलाके में विद्युत आपूर्ति बहाल करने में जुटे।

थाना क्षेत्र चमनगंज अंतर्गत स्थित एक बहुमंजिला भवन में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही फायर सर्विस, एस.डी.आर.एफ. तथा स्थानीय पुलिस बल तत्काल घटनास्थल पर पहुँचे एवं संयुक्त प्रयासों से आग पर प्रभावी नियंत्रण प्राप्त किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान लगभग पाँच व्यक्तियों को गंभीर अवस्था में बाहर निकालकर उर्सला अस्पताल के बर्न यूनिट में भेजा गया, जहाँ उपचार हेतु ले जाने पर चिकित्सकों द्वारा सभी पाँचों व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम हेतु हैलेट अस्पताल भेजा गया है।

– राजेश श्रीवास्तव,
एडीसीपी सेंट्रल

तीन बजे बरामद हुए दो शव

एसडीआरएफ ने तड़के तीन बजे दो शव बरामद किए। हादसे के वक्त काशिफ और उनका परिवार जाजमऊ में था। दानिश ने रात में आग लगने की सूचना उन्हें दी, लेकिन उसके बाद उनका फोन बंद हो गया। सूचना पर चार दमकल गाड़ियां पहुंच गई थीं, लेकिन आग बढ़ती देख किदवईनगर, जाजमऊ, कर्नलगंज, लाटूश रोड और फजलगंज फायर स्टेशनों से तत्काल और गाड़ियां बुलाई गईं। देर रात तक 60 से अधिक दमकलकर्मी राहत कार्य में जुटे रहे। बचाव कार्य के लिए करीब 1:45 बजे एसडीआरएफ) पहुंच गया। वहीं, एडीसीपी सेंट्रल समेत कई थानों की फोर्स भी मौके पर मौजूद रही।

बाबा महाकालेश्वर मंदिर के शंख द्वार पर लगी भीषण आग

उज्जैन, विशेष संवाददाता। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर के शंख द्वार पर रविवार को अचानक भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें और धुआं करीब एक किलोमीटर दूर से नजर आया। आग की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार, आग मंदिर परिसर के कंट्रोल रूम में लगी बैटरी से लगी थी।

महाकाल मंदिर में सोमवार को जिस समय ये घटना हुई उस समय मंदिर में काफी भीड़ थी। गनीमत रही कि आग की इस घटना में किसी के हताहत होने खबर नहीं है। घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर रोशन सिंह, महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक, उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा, नगर निगम कमिश्नर आशीष पाठक सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार हादसा मंदिर के गेट नंबर-1 पर स्थित अवंतिका गेट के कंट्रोल रूम की छत पर हुआ। छत पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम लगा हुआ है। इस सिस्टम की बैटरी में किसी कारण से आग लगी थी। हादसे में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम की बैटरियां जल गईं। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कुछ ही देर बाद ही आग पर काबू पा लिया गया।

संस्कृति के सम्मान और विकास के सपने को लेकर सीएम से की मुलाकात

» परशुराम जयंती अवकाश की मांग लेकर सीएम से मिले अधिवक्ता विवेक शुक्ला

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। लखनऊ के राजकीय अतिथि गृह में एक गरिमामयी मुलाकात के दौरान अधिवक्ता विवेक शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस विशेष अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक के. के. सचान भी मौजूद रहे। यह भेंट केवल एक औपचारिक परिचय नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े दो अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर थी– परशुराम जयंती पर राजकीय अवकाश की माँग और कानपुर देहात के समग्र विकास की पहल।

अधिवक्ता विवेक शुक्ला ने मुख्यमंत्री को अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की एक भव्य सीनरी सप्रेम भेंट की, जो सनातन आस्था और श्रद्धा की प्रतीक मानी गई। मुख्यमंत्री ने इस भेंट को आत्मीयता के साथ स्वीकार किया और दोनों अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।अधिवक्ता शुक्ला ने मुख्यमंत्री के समक्ष आग्रह रखते हुए कहा कि भगवान परशुराम, जो पराक्रम और ब्रह्मतेज के प्रतीक हैं, उनके जन्मदिवस को प्रदेश भर में राजकीय अवकाश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल संस्कृति को सम्मान मिलेगा, बल्कि युवाओं में भी अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

साथ ही, कानपुर देहात की विभिन्न समस्याओं, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से जुड़े विकास प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिवक्ता शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र की आकांक्षाएं अब ठोस कार्यों की अपेक्षा रखती हैं और मुख्यमंत्री से उन्हें सकारात्मक आश्वासन मिला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों ही प्रस्तावों पर गंभीर विचार का भरोसा दिलाया और कहा कि राज्य सरकार सनातन संस्कृति और क्षेत्रीय विकास दोनों को समान महत्व देती है।

यह भेंट न केवल विचारों का आदान-प्रदान थी, बल्कि जनहित, संस्कृति और समग्र विकास की दिशा में एक सार्थक पहल का प्रतीक भी बनी।

पत्नी से झगड़कर गंगा में लगाई छलांग, मौत, सुबह नदी में उतराता मिला शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घर में पत्नी से कहासुनी के बाद लेदर कारखाना कर्मी शुक्लागंज नया पुल से गंगा में छलांग लगा दी। परिजन रात भर तलाशते रहे। सुबह शव उतराता देख कैंट पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो परिजन मौके पर पहुंचे और शव देखकर बिलख पड़े। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शुक्लागंज के इंदिरानगर निवासी 60 वर्षीय रमेश लेदर कारखाना में काम करते थे। परिवार में पत्नी सुशीला और चार बच्चे दीपक, विशाल, विक्रांत व कविता हैं। विशाल ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे पिता का मां से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह नाराज होकर घर से बाहर चले गए। काफी देर बीतने पर जब नहीं लौटे तो तलाश की गई, मगर कुछ पता नहीं चला। नाते-रिश्तेदारों सभी दोस्तों और परिचितों के यहां पता किया गया लेकिन कुछ पता नहीं चला। फोन आया और नयापुल के पास आने को कहा। परिजन पहुंचे तो पिता का शव देखकर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने बताया कि रमेश ने नदी में कूदकर जान दी है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दूसरी ओर दंपती में कहासुनी के बाद नाराज पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई और युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। कर्नलगंज बस्ती निवासी वंशीलाल वाल्मीकि सफाई कर्मी है। उनका 35 वर्षीय बेटा राहुल प्राइवेट स्कूल में सफाईकर्मी था। शनिवार रात उसका पत्नी से विवाद हो गया था। इस पर नाराज होकर पूजा बेटियों को लेकर मायके घंटाघर चली गई थी। सुबह वह काम पर चले गए और रविवार अवकाश होने के कारण राहुल घर पर ही था। जब वह काम से लौटे तो बेटे का शव फंदे से लटका देखा।

बचऊपुर की पुलिया: जानलेवा खामोशी की दहलीज़ पर

कानपुर जिले में टिकरा से भौंती को जोड़ने वाला मार्ग इसका जीता-जागता उदाहरण है

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जहां विश्वस्तरीय हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाकर विकास पुरुष% की छवि बनाए हुए हैं, वहीं हकीकत यह है कि कस्बों और गांवों की सड़कें आज भी जानलेवा बनी हुई हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में टिकरा से भौंती को जोड़ने वाला मार्ग इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां बचऊपुर गांव के पास स्थित पुलिया पिछले वर्ष बरसात में धंस गई थी। इसके बावजूद हजारों वाहन चालक आज भी इसी जर्जर पुलिया से जान हथेली पर रखकर गुजरने को मजबूर हैं।

विधायक ने दिखाया फुर्तीला रुख, विभाग अब भी गहरी नींद में

यह मार्ग बिठूर विधानसभा में आता है, और स्थानीय विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने पुलिया धंसने के तुरंत बाद प्राथमिक स्तर पर राहत कार्य जरूर कराया था। लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी पीडब्ल्यूडी विभाग की तरफ से कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बार-बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने न तो कोई निरीक्षण किया और न ही कार्य शुरू किया।

इस लापरवाही का खामियाजा आज तक आम जनता भुगत रही है।

ओवरलोड ट्रकों से ड्रग वेयरहाउस और स्कूली बच्चों पर मंडराता खतरा-

इसी मार्ग पर स्थित उत्तर प्रदेश सरकार का जनपदीय ड्रग वेयरहाउस और बीएसएस एजुकेशन सेंटर स्कूल भी इस खराब सड़क व्यवस्था से प्रभावित है। यहां कार्यरत कर्मचारी और सैकड़ों स्कूली बच्चों को हर रोज ओवरलोड ट्रकों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है, जो कि नो एंट्री और आरटीओ से बचने के लिए इसी ग्रामीण मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इन ओवरलोडिंग वाले ट्रकों के प्रति क्षेत्रीय प्रशासन और सचेंडी थाने की पुलिस के लापरवाह रवैए के चलते यह मार्ग अब बरसात में और भी खतरनाक हो सकता है।

धंधा सट्टे का, अंदाज़ गैंगस्टर वाला

नयागंज की बागड़ा बिल्डिंग से बड़े पैमाने पर सोने-चांदी के सट्टे का कारोबार करने वाला निक्की तिवारी ने प्रार्थी को सट्टा माफियाओं ने फंसाया

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर के फील खाना थाना क्षेत्र के कराची खाना में स्थित श्याम सुंदर बिल्डिंग में रहने वाले एक कारीगर परिवार को सट्टा माफिया निक्की तिवारी द्वारा धमकाए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। नयागंज की बागड़ा बिल्डिंग से बड़े पैमाने पर सोने-चांदी के सट्टे का कारोबार करने वाला निक्की तिवारी ने प्रार्थी को अपने ऑफिस में बुलाकर 100 ग्राम गोल्ड मिनी एमसीएक्स के सौदे में फंसा दिया। भाव बढ़ने के बाद उसने बाजार भाव के अंतर के नाम पर 67,882 रुपये की अवैध मांग शुरू कर दी। जब पीड़ित ने इस मांग को मानने से इनकार किया, तो निक्की तिवारी ने उसे जान से मारने की धमकियां देना शुरू कर दीं।

महिला और बच्चियों से बदसलूकी, धमकी देकर बोले मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ेंगे

3 मई 2025 को दोपहर करीब 2 बजे निक्की तिवारी कुछ अज्ञात गुंडों के साथ पीड़ित के घर पहुंचा और उसकी पत्नी रश्मि जैन व बेटियों अर्ची, भूर्वी और दर्शी के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की। दबंग निक्की ने खुलेआम धमकी दी कि यदि पति ने मांगी गई राशि नहीं दी, तो परिवार की हालत ऐसी कर देंगे कि वे समाज में

सेवा में,
श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय,
कानपुर नगर।

मुंह नहीं दिखा पाएंगे। यही नहीं, पीड़िता द्वारा फोन पर पति को जानकारी देने पर आरोपियों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी और कहा कि उनका पुलिस-प्रशासन में खासा रसूख है, उनका कुछ नहीं बिगाड़ा जा सकता। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार गहरे सदमे और भय में है, और कभी भी किसी अनहोनी की आशंका से डरा हुआ है।

करोड़ों का सट्टा कारोबारी, प्रशासन की पकड़ से बाहर

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, निक्की तिवारी का सट्टे का साम्राज्य महीने में करोड़ों रुपये का कारोबार करता है।

नयागंज की बागड़ा बिल्डिंग से संचालित यह नेटवर्क न सिर्फ सोना-चांदी में, बल्कि आईपीएल जैसे बड़े खेल आयोजनों में भी गहरी सट्टेबाज़ी करता है। इसके अवैध धंधे की जानकारी स्थानीय प्रशासन को होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि माफिया का रसूख कितना ऊंचा है। सूत्र बताते हैं कि तिवारी के आपराधिक तत्वों से संबंध और राजनीतिक संरक्षण के चलते यह कानून के दायरे से बाहर बना हुआ है।

परशुराम जी की विचार रथ यात्रा का हुआ आयोजन

मैं ब्राह्मण हूं महासभा द्वारा परशुराम जी के जन्मोत्सव पर किए जा रहे आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मैं ब्राह्मण हूं महासभा द्वारा परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम जी की विचार रथ यात्रा का आयोजन किया गया था। संगठन का प्रमुख उद्देश्य समाज में सनातन का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करना है जिससे समस्त जगत में भगवान परशुराम के नाम पर फैली भ्रांत को दूर किया जा सके। विशाल रथ यात्रा में संगठन के अध्यक्ष दुर्गेश मणि त्रिपाठी के साथ सांसद रमेश अवस्थी ,विधायक अरुण पाठक, प्रदेश महामंत्री नितिन अवस्थी राहुल मिश्रा आयुष मिश्रा शैलेंद्र शर्मा आशीष त्रिपाठी , अनुरंजन शुक्ला युवा प्रदेश अध्यक्ष ,महिला अध्यक्ष पूजा दुबे, गौरव त्रिपाठी पवन तिवारी सुरेंद्र दुबे, समेत अन्य ब्राह्मण

संगठनों के पदाधिकारी के साथ हजारों परशुराम भक्त विशाल रथ यात्रा में उपस्थित रहे।

ट्रक चालक की मौत, सिर पर मिली गंभीर चोट, गर्दन की हड्डी टूटी, हत्या का आरोप, पुलिस बोली- हाईवे की रेलिंग से गिरा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। नौबस्ता हाईवे पर ओवरटेक के चक्कर में तीन-चार युवकों ने ट्रक चालक को ट्रक से खींचकर बेरहमी से पीटा और भाग निकले। साथी की सूचना पर परिजन व पुलिस उसे कांशीराम ट्रामा सेंटर ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सिर पर गंभीर चोट और गर्दन की हड्डी टूटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हेड इंजरी और गर्दन की हड्डी टूटने से से मौत की बात सामने आई है। वहीं पुलिस का कहना है कि चालक हाईवे की रेलिंग से गिरा है। सचेंडी के रायपुर कठार निवासी सीताराम यादव का 35 वर्षीय बेटा शैलेंद्र ट्रक चालक था। परिवार में शैलेंद्र की पत्नी मनीषा व सात माह का बेटा है। पिता ने बताया कि शैलेंद्र को गोरखपुर माल लोड करने जाना था, इसलिए शनिवार रात को साथी गोल्डी के साथ ट्रक लेकर निकला था। वह नौबस्ता हाईवे पर पहुंचे थे, तभी गोल्डी का फोन आया कि उसकी हालत गंभीर है।उनके मौके पर पहुंचते ही नौबस्ता पुलिस भी आ गई और शैलेंद्र को रामादेवी स्थित कांशीराम ट्रामा सेंटर ले गए,

जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि गोल्डी से मिली जानकारी के अनुसार ट्रक ओवरटेक करने के चक्कर में तीन-चार युवकों ने उसे ट्रक से खींचकर पीटा था। सिर पर भी वार किया। जिससे उसे गंभीर चोट आई। पीटने के बाद आरोपी युवक भाग निकले। सीताराम ने बताया कि युवकों की पिटाई से बेटे की जान गई है। उसकी हत्या की गई है। पिटाई के बाद वह चलने की स्थिति में नहीं था, इसलिए रेलिंग के किनारे बेदम अवस्था में पड़ा था। वहीं नौबस्ता इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ट्रक चालक हाईवे की रेलिंग पर बैठा था, वहीं से गिरा है। जिससे उसकी जान गई। ट्रक ओवरटेक करने और युवकों के मारपीट करने ऐसी बात की जानकारी नहीं है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 7331010662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्सरे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन

1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

सम्पादकीय

टॉपर्स संस्कृति का विकल्प तलाशें

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं।निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए।

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम नरसंहार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोषियों को सबक सिखाने की बात कही। ताकि पाकिस्तान जैसी समस्या का स्थाई समाधान हो सके। मोदी को मालूम है कि उनकी 'विरासत' पर इसका प्रभाव पड़ेगा कि वे देश के पश्चिमी पड़ोसी के साथ कैसे निबट पाए। दूसरी ओर, पाकिस्तान स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में लगा है और रक्षा तैयारी बढ़ा रहा है। हालांकि कोई बड़ी वैश्विक ताकत युद्ध नहीं चाहती, बेशक तनाव बना रहना रास आए।

पहलगाम नरसंहार पर मध्य मार्ग अपनाने की कोशिश करने में लगे अमेरिकी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें उन्हें महारत है, यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी को 'हमारा पूर्ण समर्थन' है, लेकिन ठीक इसी वक्त पाकिस्तान की आलोचना एक हद से परे जाकर करने से बच रहे हैं। आखिरकार, अमेरिकी प्रशासन में यह तर्क चला हुआ है कि अगर आप अपराधी की मदद करने वालों पर खुलेआम इल्जाम लगा देंगे, तो भविष्य में उन्हीं से मदद कैसे मांग पाएंगे?

यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा।पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था।दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैं-और जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा। पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं।सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है।भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है।

हमारे संस्कार ही हैं सबसे बड़ी पूंजी

अंतर्मन

डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज में माता का ऋण सर्वोपरि है। जो संसार में कुछ करने का अवसर देती है! पिता ही समाज से परिचित कराकर जीवन की ऊंच-नीच बताते हैं। गुरु हमारे जीवन से अज्ञान मिटाते हैं।

निरंतर आत्मकेंद्रित होते समाज में व्यक्ति का चरम भौतिकतावादी होना किसी भी समाज के लिये खतरे की घंटी है। जीवन मूल्यों का यह पराभव कालांतर में हमारे रिश्ते-नातों को लीलता है। लोक उपकार की भावना तिरोहित होती है। कुल मिलाकर मानवता का हनन होता है। व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में कमी कालांतर में समाज की दिशा-दशा भी प्रभावित करती है। आज समाज में आर्थिक उपलब्धियों को तो सफलता का पर्याय मान लिया जाता है, लेकिन किसी को भी 'संस्कारों' के खोने की कोई चिंता नहीं! अक्सर विभिन्न समाचार-पत्रों व सूचना के अन्य माध्यमों में यह सुनने को मिलता है कि किसी बेटे-बहू ने अपनी मां को घर से निकाल दिया या पिता के साथ रहने से उन्हें परेशानी है तो सहज ही लगता है कि हम अपने मूल भारतीयता के संस्कार पीछे छोड़ते जा रहे हैं!

समाज में जीवन मूल्यों और संस्कारों को पराभाव से उपजी टीस के बीच एक प्रेरक और मार्मिक प्रसंग पढ़ने को मिला है, जिसने मुझे उद्वेलित कर दिया है। वह प्रसंग मैं सुधी पाठकों से साझा करना चाहता हूं।एक समय की बात है कि एक बहुत ही गरीब पिता ने मेहनत-मज़दूरी करके अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और बेटे ने भी पिता की प्रेरणा से जमकर परिश्रम किया। फिर

एक दिन ऐसा आया कि बेटा आईएएस की परीक्षा पास कर विभिन्न पदों से गुजरता हुआ 'जिलाधिकारी' बन गया! पिता की प्रसन्नता का कोई ठिकाना नहीं था! बेटे की सफलता से पिता का सीना गर्व से फूल गया। लेकिन उसने सोचा कि क्या मेरे दिए संस्कार बेटे में विद्यमान हैं। बड़ा अधिकारी बनने के साथ उसमें मानवीय मूल्य पहले की तरह ही विद्यमान हैं? उसने बेटे की परीक्षा लेनी चाही। फिर जिस दिन बेटा 'जिलाधिकारी' की कुर्सी पर बैठा तो गर्वित पिता वहां पहुंचा और उसने अपने बेटे के सिर पर हाथ रखकर पूछा, 'बेटे, संसार में सबसे बड़ा कौन है?'पिता के सवाल के जवाब में बेटे ने कहा, 'पिता जी, मुझसे बड़ा कोई नहीं है!' पिता को अपने बेटे का उत्तर सुनकर एक झटका-सा लगा। उन्हें लगा कि बेटा विभागीय तरक्की की परीक्षा में तो पास हो गया है, लेकिन लगता है संस्कारों की परीक्षा में सफल नजर नहीं आता। वे निराश भाव से लौटने लगे तो बेटे ने पिता से कहा, 'पिताजी, अब फिर से अपना सवाल मुझसे नहीं पूछेंगे?' पहले तो पिता को बेटे के सवाल पर आश्चर्य हुआ। लेकिन फिर उन्होंने बेटे से पूछ ही लिया कि 'संसार में सबसे बड़ा कौन है?' तो बेटे ने उत्तर दिया' 'पिताजी, आपसे बड़ा कोई भी नहीं है!' लौटते पिता ने रुक कर पूछा, 'कुछ देर पहले तो तुमने कहा था कि तुमसे बड़ा और कोई नहीं है, तो अब क्या हुआ?' बेटे ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'पिताजी, आपने सवाल किया था, तब आपका हाथ मेरे सिर पर रखा हुआ था, इसीलिए मैंने कहा था कि मुझसे बड़ा संसार में कोई नहीं है! लेकिन यह एक हकीकत है कि पिता जी 'आपसे बड़ा' तो हो ही नहीं सकता ।

स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण फूल

स्वर्ग से आए हैं अपराजिता, पारिजात और मधुकामिनी

भारतवर्ष में फूलों को न केवल सौंदर्य और सुगंध के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, बल्कि उनका धार्मिक, औषधीय और सांस्कृतिक महत्व भी अत्यधिक है। तीन ऐसे अद्भुत फूल हैं – अपराजिता, पारिजात, और मधुकामिनी, जो न केवल वातावरण को सुंदर बनाते हैं बल्कि कई लाभकारी गुणों से भी भरपूर हैं।

» फीचर डेस्क

मधुकामिनी के फूल गर्मियों में खिलते हैं। घर में अगर एक बार आपने कामिनी के फूल का पौधा लगा दिया तो 4-5 वर्ष या इससे अधिक समय तक फूल आते रहेंगे। सौंधी और मनमोहक खुशबू के कारण इसे अपने घर की बालकनी में लगाना बहुत ही आसान है।

मधुकामिनी प्लांट को सबसे अच्छे इनडोर और आउटडोर पौधों में से एक माना जाता है। वास्तु के अनुसार यह प्लांट घर-आंगन को खुशियों से भर सकता है।जरूरी बात यह है कि यह कम रखरखाव वाला पौधा है और इसमें सुगंधित फूलों के गुच्छे होते हैं जो सुंदर तितलियों और चिड़ियों को बहुत आकर्षित करते हैं। मधुकामिनी फूल का वनस्पति नाम है मुराया पैनीकुलेटम। यह एक सफेद रंग का फूल है जो घर की सज्जा के साथ औषधि के लिए भी प्रयोग किया जाता है। खूशबूदार फूलों में से मधुकामिनी दिन रात महकने वाला प्लांट है। यह एक सदाबहार झाड़ीनुमा पौधा है जिसका आकार 5-15 फिट तक होता है। नारंगी यानी संतरा जैसी सुगंध आने के कारण इसको ऑरेंज जैस्मीन नाम से भी जाना जाता है। इसके फूलों का रंग सफेद होता है। इसके फूलों की मनभावन सुगंध मानसिक तनाव को दूर करने वाली होती है। मान्यता है कि जो तीन फूल स्वर्ग से आए हैं उसमें अपराजिता, पारिजात के साथ तीसरा फूल मधुकामिनी ही है।

मधुकामिनी के लाभ

- इसके मात्र 2 पत्तों को उबाल कर पीने से श्वास रोग में बहुत ज्यादा लाभ होता है। गला साफ होता है।
- इसके फूलों को बेडरूम में रखने से दाम्पत्य जीवन सुखी रहता है। ऐसा माना गया है।
- मधुकामिनी की पत्तियां शुभकारी होती हैं इसीलिए विवाह मण्डपों में इसका प्रयोग होता है।

तमिल भाषा में इसे वेंगराए और तेलगु में नागागोलुंग, मराठी में कुंती तो मणिपुरी में कामिनी कुसुम कहा जाता है। कन्नड़ में काडु कारिबेयु तो मलयालम में समारामुला कहा जाता है।

पर्यटकों को लुभाते टिहरी झील के नजारे

झील में तैरते हुए घरों में नाइट स्टे कर सकते हैं पर्यटक

सैर-सपाटा

अनूप अवस्थी

आपको बता दें कि ये मालदीव के नजारे नहीं हैं यहाँ आप उत्तराखंड के ऋषिकेश से सिर्फ 1.30 घंटे में पहुंच सकते हैं। ये टिहरी झील के नजारे हैं जो कि इस समय बहुत फेमस टूरिस्ट प्लेस बन गया है, इन तस्वीरों में फ्लोटिंग हट भी दिख रही हैं जो की झील में तैरते हुए घर हैं, यहां भी लोग नाइट स्टे कर सकते हैं और यहां बहुत सारी वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी कर सकते हैं, ये जगह ऋषिकेश से सिर्फ 77 किमी. दूर है शानदार रोड बना हुआ है सिर्फ 1.30 घंटे लगते हैं,टिहरी झील में विभिन्न प्रकार की वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज़ का आनंद लिया जा सकता है, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं-

- स्कीइंग और वॉटर स्कीइंगः टिहरी झील में स्कीइंग और वॉटर स्कीइंग की सुविधा उपलब्ध है।
- पैराग्लाइडिंगः झील के ऊपर पैराग्लाइडिंग का आनंद लिया जा सकता है।
- बोटिंग और टिहरी झील में बोटिंग और यातिंग की सुविधा उपलब्ध है।
- फिशिंग झील में मछली पकड़ने का आनंद लिया जा सकता है।
- कयाकिंग और कैनोइंग टिहरी झील में कयाकिंग और कैनोइंग की सुविधा उपलब्ध है।6. विंड सर्फिंग झील में विंड सर्फिंग का आनंद लिया जा सकता है।
- जेट स्कीइंग टिहरी झील में जेट स्कीइंग की सुविधा उपलब्ध है।
- बनाना बोट राइड्स झील में बनाना बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है।

इन एक्टिविटीज़ के अलावा, टिहरी झील में पिकनिक, कैम्पिंग और फोटोग्राफी का भी आनंद लिया जा सकता है।टिहरी झील उत्तराखंड राज्य में स्थित एक मानव निर्मित झील है, जो टिहरी बांध के निर्माण के परिणामस्वरूप बनाई गई है। यह झील लगभग 45 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है और इसकी अधिकतम गहराई लगभग 260 मीटर है।

टिहरी झील की विशेषताएं

- मानव निर्मित झील टिहरी झील एक मानव निर्मित झील है, जो टिहरी बांध के निर्माण के परिणामस्वरूप बनाई गई है।
- विशाल आकार यह झील लगभग 45 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है।
- गहराई इसकी अधिकतम गहराई लगभग 260 मीटर है।
- जलवायु परिवर्तन टिहरी झील का जल स्तर जलवायु परिवर्तन के कारण बदलता रहता है।
- पारिस्थितिकी यह झील विभिन्न प्रकार के जलीय जीवन और वनस्पतियों का समर्थन करती है।

टिहरी झील के पर्यटन स्थल

- टिहरी बांध टिहरी बांध एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो झील के किनारे स्थित है।
- टिहरी झील क्रूज झील में क्रूज की सुविधा उपलब्ध है, जिससे पर्यटक झील की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।
- प्राकृतिक सौंदर्य झील के आसपास के क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य की बहुतायत है, जो पर्यटकों को आकर्षित करती है।

आसपास के क्षेत्र में कई अन्य पर्यटन स्थल भी हैं

- देवप्रयाग देवप्रयाग एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, जो अलकनंदा और भागीरथी नदियों के संगम पर स्थित है।
- रुद्रप्रयाग रुद्रप्रयाग एक अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल है, जो अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के संगम पर स्थित है।
- केदारनाथ केदारनाथ एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, जो हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित है।

इन सभी पर्यटन स्थलों के अलावा, टिहरी झील के आसपास के क्षेत्र में कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

जिले में स्वास्थ्य की स्थिति पर नजर रखेगी आरोग्य भारती

» देश के 857 जिलों में आरोग्य भारती का हुआ विस्तार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आरोग्य भारती एक स्वास्थ्य सेवा संगठन है जो रोग प्रतिबन्धन और निवारक स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित है। विज्ञान व तकनीकी के उत्तरोत्तर विकास के कारण व्यक्तियों के रहन-सहन, आहार-विहार, कार्यशैली, सोचने की पद्धति आदि में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। विकृत जीवन शैली के कारण जीवन शैली जनित रोग एवं मानसिक तनाव संबंधी रोग बढ़ रहे हैं।

उक्त विचार आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ0 अशोक कुमार वार्ष्णेय ने रविवार को जवाहर नगर स्थित ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन में आयोजित कानपुर प्रान्त अभ्यास वर्ग में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि 2 नवम्बर 2002 को कोच्चि में आरोग्य भारती का गठन हुआ। वर्तमान में 43 प्रान्तों के 857 जिलों में आरोग्य भारती का विस्तार है।

देश में 23 हजार आरोग्य मित्र, 15 हजार नियमित योग केन्द्र एवं 5 हजार विद्यालयों में नियमित कार्यक्रम आरोग्य भारती के बैनर तले चल रहे हैं। मुख्य अतिथि इंजी. गौरव भदौरिया ने कहा कि आरोग्य भारती स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। आरोग्य भारती के मिशन में महाराणा प्रताप ग्रुप अपने सभी संसाधनों से सहायता करेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक संग्राम सिंह विशेष अतिथि थे। कानपुर प्रान्त संरक्षक डॉ0 अंगद सिंह ने अध्यक्षता की। धन्वंतरी स्तवन पाठ दिग्विजय सिंह ने किया। अतिथि स्वागत बी.आर. गुप्ता ने किया एवं परिचय प्रान्त सचिव श्याम सुन्दर गुप्ता ने दिया। संचालन नमिता दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रान्त अध्यक्ष डॉ0 बी.एन. आचार्य ने किया। शैक्षिक सत्र में गर्भ संस्कार विषय पर डॉ0 संगीता सारस्वत ने कहा कि गर्भ संस्कार अति आवश्यक है क्योंकि बच्चा गर्भ में रहते हुए बहुत कुछ सीख लेता है। गर्भवती माता का प्रशिक्षण जरूरी है। माँ जैसा चाहे वैसा ही पुत्र को बना सकती है। पर्यावरण विषय पर डॉ0 संजीवनी शर्मा ने कहा कि प्लास्टिक कलियुग का राक्षस है जो भेष बदलकर शरीर में केमिकल लोचा कर हमें बीमार कर देता है। हमारे भोजन, पानी, हवा में माइक्रो प्लास्टिक है जो हमारे शरीर में चली जाती है। इसी से प्रजनन क्षमता में कमी, कैंसर, मधुमेह जैसी घातक बीमारियाँ हो रही हैं। प्लास्टिक पर्यावरण की नहीं बल्कि हमारी समस्या है। आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर श्याम सुन्दर गुप्ता ने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रमाकान्त पाण्डे, डॉ. शरद द्विवेदी, डॉ. अनिल चतुर्वेदी, डॉ. मनमीत सिंह, तरुण खरे, शशि गुप्ता, बी0 आर0 गुप्ता, दयाशंकर शुक्ला, उषा गुप्ता, डॉ0 पूनम बुधरानी, अरविंद पाण्डेय, डॉ. मनीष यादव, रवीन्द्र तिवारी सहित 21 जिलों के 123 सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वक्फ सुधार अधिनियम जन जागरण अभियान के तहत हुई बैठक

अरौल में अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिल्हौर। रविवार को भाजपा से बरांडा जिला पंचायत सदस्य महमूद अली की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अरौल बरांडा रोड स्थित एक मैरिज हाल मे वक्फ सुधार अधिनियम जन जागरण अभियान के तहत अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकम के मुख्य अतिथि हज कमेटी के सदस्य व पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहसिन रजा रहे। इस अवसर पर मोहसिन रजा ने कहा कि वक्फ सुधार अधिनियम देश के गरीब, बेसहारा अल्पसंख्यक परिवारों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। भाजपा के जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने भाजपा द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान कानपुर ग्रामीण के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी कटियार, मजाहिर हुसैन, सचिन गुप्ता, नूर अहमद, रिंकू कटियार समेत कई भाजपाई मौजूद रहे।

खेत में मिला महिला का शव

» रात में रहस्यमयी तरीके से हुई थी गायब

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत फरीदपुर निटर्रा गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब रविवार सुबह एक महिला का शव गांव से बाहर खेत में पड़ा मिला। मृतका की पहचान ममता देवी (45) पत्नी दशरथ के रूप में हुई है, जो शनिवार रात से लापता थीं।

परिजनों के अनुसार, ममता देवी शनिवार की रात लगभग 12 बजे अचानक घर से निकल गई थीं। उस समय परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। जब सुबह तक वह घर नहीं लौटीं तो खोजबीन शुरू की गई। इसी बीच गांव के ही रामकुमार निषाद को खेत में महिला का शव दिखाई दिया, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह और थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए।

ममता देवी के परिवार में पति दशरथ के अलावा चार बेटियां—दीक्षा, प्रेमलता, आकांक्षा, लक्ष्मी और दो बेटे गुलशन तथा सर्वेश हैं। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। हत्या, आत्महत्या या किसी अन्य कारण की पुष्टि रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

प्रतिभावान बच्चों की योग्यता निखारने के लिए हुई प्रतियोगिता

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। स्कूली छात्रों की हौसला अफजाई के लिए प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। एन्टी करप्शन इंटरनेशनल कौंसिल कानपुर यूनिट के तत्वाधान में पृथ्वी दिवस पर नम्रता एजुकेशन सेंटर, यशोदानगर, कानपुर एवं एल आर चन्देल इंटर कॉलेज, बजरंगपुरी, यशोदानगर, कानपुर आदि स्कूलों में चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। उसी क्रम में प्रतिभागित छात्र –छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना प्रमाण –पत्र वितरित कार्यक्रम में समाजसेवी एवं एन्टी करप्शन इंटरनेशनल कौंसिल कानपुर यूनिट के एग्जीक्यूटिव मेंबर प्रेम शंकर पाण्डेय की विशेष उपस्थिति सराहनीय रही । कार्यक्रम में समस्त शिक्षक स्टाफ के साथ एन्टी करप्शन इंटरनेशनल कौंसिल कानपुर यूनिट के सुरेश चन्द्र द्विवेदी, हिमांशु त्रिवेदी, अतुल त्रिवेदी, सदस्य गुड्डू दीक्षित एवं समाजसेवी प्रेम शंकर पाण्डेय उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

गंदगी के ढेर पर बैठा मलासा ब्लॉक, अफसर बने मूकदर्शक

मलासा ब्लॉक में उड़ रही स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक में स्वच्छ भारत मिशन की जमीनी हकीकत बिल्कुल उलटी नजर आ रही है। सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन गांवों में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

ग्राम पंचायत डीग का हाल यह है कि नालियों की सफाई महीनों से नहीं हुई, जिससे बदबू और गंदगी से ग्रामीण परेशान हैं।

जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है और कीचड़ की वजह से राहगीरों को भारी दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन नतीजा शून्य रहा। कुछ गांवों में सफाई कर्मियों की उपस्थिति तो दिखती है, लेकिन काम के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है।

इन सबके बीच अधिकारी एसी कमरों में बैठकर सिर्फ रिपोर्टों में गांव को साफ-सुथरा दिखाने में लगे हैं, जबकि ज़मीनी सच्चाई इसके उलट है।

जिम्मेदारों का दावा: निरीक्षण जारी, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

स्वराज इंडिया की ग्राउंड रिपोर्ट के बाद जब जिम्मेदार अधिकारियों से बात की गई, तो मलासा ब्लॉक के एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों के सचिवों को निर्देशित किया गया है कि साफ-सफाई की नियमित निगरानी करें। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर निरीक्षण टीमों का गठन किया गया है जो गांवों का औचक निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो सफाई कर्मी अपने कार्यों में लापरवाही बरतते पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि निरीक्षण सिर्फ कागजों पर होता है, न ही कोई सफाईकर्मी नियमित आता है और न ही अधिकारी गांव की हकीकत जानने आते हैं। संचारी रोग अभियान के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रम भी महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं, क्योंकि जब सफाई नहीं होगी तो संक्रमण से बचाव की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

बेकाबू स्कॉर्पियो ने छीनी किसान की सांसें

» ओवर स्पीड गाड़ियों से गजनेर में हो रहा मौत का तांडव!

स्वराज इंडिया ब्यूरो

माती। गजनेर थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 46 वर्षीय किसान राजेंद्र सिंह चौहान की मौत हो गई। गजनेर-रायपुर मार्ग पर स्थित नोन नदी के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें उस वक्त टक्कर मार दी, जब वे सड़क पार कर रहे थे। राजेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत तरौंदा के निवासी थे और लंबे समय से पैरों के दर्द से परेशान चल रहे थे। बेटे संजय के साथ मोटरसाइकिल से दवा लेने आए थे। बाइक सड़क किनारे खड़ी कर जैसे ही राजेंद्र सिंह सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही गजनेर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।राजेंद्र सिंह अपने पीछे चार बेटे छोड़ गए हैं। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। गजनेर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से अब तक कोई तहरीर नहीं दी गई है, तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परस्पर तबादले की आवेदन प्रक्रिया पूर्ण, अब शिक्षक बनाएंगे जोड़ा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों के लिए जिले के अंदर व एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब 14 मई से जोड़ा (पेयर) बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने शनिवार को संशोधित कार्यक्रम जारी किया है।

कानपुर देहात जनपद के विभिन्न समाचार पत्रों ने इस प्रकरण को प्रमुखतः से प्रकाशित किया था, विभिन्न समाचार पत्रों ने शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण पर तारीख पर तारीख मिल रही है नामक शीर्षक से खबरें प्रकाशित की थीं। जिसके बाद विभाग ने संशोधित आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार एक से दूसरे जिले में आवेदन का सत्यापन पांच से आठ मई के बीच होगा। बीएसए इसे जिला स्तरीय समिति की बैठक में 9 से 13 मई के बीच रखेंगे। 14 से 20 मई के बीच शिक्षक ओटीपी से आपस में जोड़ा बनाएंगे। इनका तबादला आदेश 23 मई को जारी किया जाएगा जबकि शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण गर्मी की छुट्टियों में किया जाएगा। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि जिले के अंदर तबादला प्रक्रिया में आवेदन का सत्यापन पांच से आठ मई के बीच होगा। बीएसए इसे जिला स्तरीय समिति की बैठक में 9 से 13 मई के बीच रखेंगे। 25 से 31 मई के बीच शिक्षक ओटीपी से आपस में जोड़ा बनाएंगे।

इनका तबादला आदेश चार जून को जारी किया जाएगा जबकि शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण गर्मी की छुट्टियों में किया जाएगा।

उन्होंने बीएसए को निर्देश दिया है कि जन्मतिथि, विद्यालय में कार्यभार संभालने की तिथि, जिले में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में मानव संपदा के डाटा से अलग होने पर शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन फार्म रिजेक्ट नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्धारित तिथि में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है।

» रात भर मजदूरी, फिर पढ़ाई, होनहार छात्र रामकेवल ने रचा इतिहास

» बाराबंकी के इस गांव की अजब कहानी आजादी के 75 साल बीतने पर भी नहीं पास हुआ कोई हाई स्कूल!

» गांव में नहीं खड़ंजा, न ही प्रकाश की व्यवस्था, घुप्प अंधेरे में शिक्षा की रोशनी जलाने वाले छात्र रामकेवल की कहानी

आजादी के बाद गांव में अकेले रामकेवल हुआ 'हाई स्कूल पास'

अंकित यादव स्वराज इंडिया

बाराबंकी। शिक्षा, कितनी जरूरी है यह बात तो हम सभी जानते है, मगर शिक्षा क्यों जरूरी है यह सिर्फ रामकेवल जैसे मेहनतकश छात्र ही जानते है, एक ऐसा होनहार छात्र जिसने शादी बारात में रात रात भर लाइट्स सिर पर ढोई और अगली सुबह अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए स्कूल पहुंचा, रामकेवल शादियों में शामिल तो हुए मगर एक मजदूर की तरह, लेकिन अपनी मां के प्रण को पूरा करने के लिए जी जान से पढ़ाई की और हाइस्कूल पास किया, आप भी सोच रहे होंगे कि लाखो छात्रों ने हाइस्कूल परीक्षा पास की, तो रामकेवल ने ऐसा क्या कमाल कर दिया तो आगे की कहानी आपको हैरान कर देगी, क्योंकि रामकेवल ने आजादी के बाद अपने गांव से हाइस्कूल पास करने वाले पहले छात्र बने है। एक छात्र जिसने हाइस्कूल पास किया, जब मीडिया उसके घर पहुंचा तो उसकी आंखों में आंसू थे, माता ने पल्लू से उसके आंसू पोछे, मां और बेटे दोनों समझ नहीं पा रहे थे कि ये आंसू खुशी के है या उस व्यवस्था के जिसके ये शिकार हुए,

चलिए अब आपको यह पूरा मामला समझाते है, कहते हैं हौसले हो बुलंद कुछ कर गुजरने की हो चाह तो कामयाबी कदम चूमने को होती है मजबूर ऐसा ही बाराबंकी जिले के निजामपुर मजरे अहमदपुर गांव के निवासी राम केवल ने यह साबित कर

दिखाया,दरअसल इस गांव में आजादी के 77 साल बाद तक कोई व्यक्ति हाई स्कूल पास नहीं कर पाया 2025 में राम केवल में इस रिकार्ड को तोड़ते हुए हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की राम केवल ने न सिर्फ परीक्षा पास की है बल्कि गांव में शिक्षा की अलख जलाने का काम किया है। शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो इसे पिएगा दहाड़ेगा।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की यह लाइन चरितार्थ होती है यूपी की राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी जिले के एक युवक राम केवल मैं ?300 प्रतिदिन की मजदूरी करते हुए शिक्षा को महत्व दिया और मजदूरी के साथ-साथ समय निकालकर पढ़ाई भी की जिसका नतीजा यह हुआ की आजादी के बाद गांव में पहली बार कोई युवक हाई स्कूल की परीक्षा पास कर सकें जिसको लेकर गांव में खुशी का माहौल है प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र द्विवेदी ने बताया कि अंग्रेजी शासन काल से निजामपुर में या विद्यालय है सन 1923 में स्थापना व 1926 से विद्यालय संचालित हुआ था गांव के चारों तरफ स्कूल होने के बावजूद निजामपुर के लोगों में पढ़ने की ललक नहीं थी यहां अधिकांश लोग मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का पेट पालते हैं ।

राम केवल के पिता जगदीश प्रसाद निरक्षर होने के बावजूद अपने बेटे को पढाने की ठान ली राम केवल की मां प्राथमिक विद्यालय में रसोईया है जो अपने बेटे को कक्षा 8 पर पास करने के बाद जीआईसी में दाखिला कराया किसी तरह से रुपए इकट्ठा कर फीस जमा की पुष्पा ने हार नहीं मानी और स्कूल रसोइया का कार्य करने पर मिलने वाले मानदेय से उन्होंने अपने बेटे की फीस के पैसे दिए।

वहीं छात्र राम केवल ने रोते हुए बताया कि वह जब स्कूल जाता था तो बच्चे यह कहकर चिढाते थे कि तुम्हारे गांव में कोई आज तक हाई स्कूल पास नहीं है तुम भी पास नहीं हो पाओगे जिसके बाद उसने मन में ठान ली थी हाई स्कूल पास कर अपना व अपने गांव का मान बढ़ाना है इसके बाद उसने रोड लाइट में रात की मजदूरी करते हुए भी पढ़ाई पर ध्यान दिया और उसे इतिहास को भी बदल दिया अब कोई भी या नहीं कह सकेगा कि इस गांव में हाई स्कूल पास कोई व्यक्ति नहीं है।

अयोध्या नगर निगम का न करें एतबार हो जाएंगे धोखे का शिकार

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। स्वस्थ उत्तर प्रदेश, सशक्त उत्तर प्रदेश–सरकार के इस संकल्प को साकार करने के लिए नगर निगम क्षेत्र में पब्लिक हेल्थ एटीएम केंद्रों की स्थापना की गई थी। उद्देश्य था कि आम आदमी को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं समय से, सुलभ और तकनीक आधारित मिल सकें। लेकिन जमीनी हकीकत नारे और वादों से बिल्कुल उलट है। इन केंद्रों पर ताले लटके हैं, मशीनें धूल फांक रही हैं और जनता इनसे अब तक एक पेनकिलर तक नहीं ले सकी। नगर निगम क्षेत्र में दर्जनभर से अधिक हेल्थ एटीएम लगाए गए थे। इन केंद्रों के बाहर झिलमिलाते बोर्ड पर लंबी-चौड़ी सुविधाओं की फेहरिस्त चस्पा है

» बंद पड़े हैं सिटी में नगर निगम के हेल्थ एटीएम

» जनता के स्वास्थ्य अधिकार पर ताले!

» जमीनी स्तर पर न तो डॉक्टर हैं, न तकनीशियन और न ही कोई जवाबदेही

हेल्थ एटीएम में मिलती है ये सुविधा

डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श, ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल, मधुमेह, डेंगू, टायफाइड, हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड जैसी दर्जनों जांचें। लेकिन ये सेवाएं केवल पोस्टरों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर न तो डॉक्टर हैं, न तकनीशियन और न ही कोई जवाबदेही।

स्थानीय निवासी राजकुमार साहू कहते हैं, सरकार ने बड़ी बातें की थीं कि मोहल्ले में ही जांच की सुविधा मिलेगी, लेकिन यहां तो सालों से ताले लगे हैं। पूछो तो अधिकारी एक–दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं।卐 इन हेल्थ एटीएम केंद्रों की स्थापना में लाखों रुपये खर्च किए गए। लेकिन आज इनका हाल देखकर यही कहा जा सकता है कि ये 'सफेद हाथी' बन चुके हैं—जो खड़े तो हैं, लेकिन किसी काम के नहीं।

जब इस विषय में नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कुछ तकनीकी और ठेकेदार स्तर की दिक्कतों के कारण संचालन रुका हुआ है।

जल्दी ही व्यवस्था को फिर से शुरू किया जाएगा। हालांकि यह जल्दी कब आएगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता नीलम तिवारी सवाल उठाती हैं, अगर केंद्र बंद ही रहने थे तो जनता को झूठे वादे क्यों दिए गए? क्या सिर्फ स्लोगन से लोगों की सेहत सुधरेगी? अयोध्या में हेल्थ एटीएम केंद्र एक अच्छे उद्देश्य की मिसाल थे, लेकिन अमल में लापरवाही, जवाबदेही का अभाव और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने इन्हें मज़ाक बना दिया है। यह सिर्फ योजनाओं की असफलता नहीं, बल्कि जनता के 'स्वास्थ्य अधिकार' के साथ किया गया एक भद्दा मज़ाक है। जब तक जिम्मेदारों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये ताले केवल मशीनों पर नहीं, व्यवस्था की नीयत पर भी लटके रहेंगे।

निगम क्षेत्र में 18 हेल्थ एटीएम हो रहे संचालित

इस सम्बन्ध में नगर निगम के जेई अरुण सिंह से बात की गई तो उनका कहना था कि पूरे शहर में 18 हेल्थ एटीएम पूर्णरूप से संचालित हो रहे है। जहां एक एजेंसी द्वारा 18 ऑपरेटर नियुक्त है। इस पर कितनी लागत आयी यह पूछने पर उन्होंने मीटिंग में होने की बात कहकर फोन काट दिया।

मुख्यमंत्री की मंशा पर पानी फेर रहे अयोध्या के कई अफसर

» अफसरों का सीयूजी नम्बर बना शोपीस

» अयोध्या में संकट में फंसी जनता अफसरों से बेसहारा!

» जनता के लिए संकट में नहीं उठते सरकारी फोन

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ईमानदार और जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था की कल्पना अयोध्या में दम तोड़ती नजर आ रही है। जिले के आला अफसरों को दिए गए सीयूजी (क्लोज्ड यूजर ग्रुप) नम्बर, जो सीधे जनता और प्रशासन के बीच संवाद का सेतु बनने थे, अब या तो बंद मिलते हैं या नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बताए जाते हैं।

मुख्यमंत्री की मंशा थी कि आपात स्थिति में कोई भी नागरिक बिना झिझक अफसरों से संपर्क कर सके और समाधान पा सके, लेकिन हकीकत में जब कोई पीड़ित इन सीयूजी नम्बरों पर कॉल करता है, तो या तो घंटियों की जगह 'फोन बंद है' की सूचना मिलती है, या फिर 'नेटवर्क कवरेज क्षेत्र से बाहर' का जवाब। स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब आम जनता के पास इन अफसरों का निजी नम्बर नहीं होता – और होता भी है तो शायद ही कोई अफसर जनता की कॉल उठाना अपनी जिम्मेदारी समझता है।ज्यादा बोलिए मत, वरना लेने के देने पड़ सकते हैं। अगर आपने यह गलती कर दी कि किसी अफसर से उनके सीयूजी नम्बर बंद होने की शिकायत कर दी, तो आप खुद कानूनी शिकंजे में आ सकते हैं।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिन अफसरों की जिम्मेदारी है कानून व्यवस्था बनाए रखना, वही इस गैर–जवाबदेही के नंबर वन आरोपी हैं।

अब सवाल उठता है कि सीयूजी नम्बर आखिर किसके लिए हैं? जनता के लिए या अफसरों की सुविधा के लिए? और अगर संकट की घड़ी में ये नम्बर काम नहीं आते, तो ऐसे सिस्टम का मतलब क्या है?

विभागीय जांच में डीआइजी ने की कार्रवाई, दुष्कर्म की धारा हटाने पर ली थी रिश्वत

यूपी की घूसखोर महिला दारोगा बर्खास्त, सात साल से जेल में बंद

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मेरठ। मुकदमे से दुष्कर्म की धारा हटाने पर 20 हजार की रिश्वत लेते पकड़ी गई महिला दारोगा अमृता यादव को नौ साल बाद बर्खास्त कर दिया गया। पुलिस की मजबूत पैरवी के चलते महिला अदालत से सात साल की सजा भी काट चुकी है। हाल में उसकी तैनाती बागपत में चल रही है। फिलहाल चौधरी चरण सिंह जेल में सजा काट रही है। कोतवाली की बुढ़ाना गेट चौकी पर प्रभारी रहते हुए रिश्वत वसूली थी।

कोतवाली के करमअली निवासी अना मजहर ने 28 अप्रैल 2017 को पति समीर निवासी सीकरी रोड मोदीनगर, गाजियाबाद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। समीर ने मुकदमे में दुष्कर्म और कुकर्म की फर्जी नामजदगी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट से गिरफ्तारी स्टे ले लिया।

इसके बाद भी दारोगा अमृता यादव गिरफ्तारी का दबाव बनाती रहीं। आठ जून 2017 को बुढ़ाना गेट चौकी पर अमृता ने मुकदमे से धारा 376 और 377 हटाने के एवज एक लाख रुपये मांगे। सौदाबाजी कर 20 हजार में धारा हटाना तय हो गया। समीर ने इस बातचीत की रिकॉर्डिंग कर ली।

उसके बाद एंटी करप्शन की टीम को सूचना दी गई। 13 जून को एंटी करप्शन ने अमृता यादव को 20 हजार लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने महिला दारोगा के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में

दाखिल किया। उसके बाद सुनवाई में पुलिस की मजबूत पैरवी के चलते महिला दारोगा को 5 सितंबर 2024 को सात साल की सजा और 75 हजार का जुर्माना लगाया गया।उसके बाद विभागीय जांच में डीआइजी कलानिधि नैथानी ने नियमावली-1991 के नियम-8 (2) (क) के अंतर्गत महिला दारोगा को पद से मुक्त करने के आदेश जारी किए।

भ्रष्टाचार के सभी मुकदमों की पैरवी के दिए आदेश

डीआइजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि महिला दारोगा अमृता यादव को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया था। इनका पुलिस में रहना विभाग की छवि को धूमिल करता है, इस प्रकार का निन्दात्मक आचरण करना इनकी स्वेच्छाचारिता, अनुशानहीनता एवं गम्भीर कदाचार को दर्शाता है, जो आम जनमानस के मन में प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

यदि इस प्रकार के आचरण वाले पुलिसकर्मी को विभाग में बनाए रखा जाता है तो इसका कुप्रभाव अन्य पुलिसकर्मियों पर भी पड़ेगा एवं पुलिस बल में नियुक्त अन्य पुलिसकर्मियों में भी इस प्रकार नैतिक अधमता की भावना प्रबल होगी। यदि कोई पुलिसकर्मी इस तरह के अति गंभीर अपराध में पकड़ा जाता है एवं न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध भी किया जाता है तो उसको सेवा से बर्खास्त भी किया जायेगा। इसके अलावा भ्रष्टचार निवारण सम्बन्धित शेष प्रकरणो का शीघ्र निस्तारण व उनमे शीघ्र सजा कराने के निर्देश दिए।

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

अदालत ने कहा- दूसरे कानूनी रास्ते अपनाइए

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका का सोमवार को निपटारा कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर को अन्य कानूनी वैकल्पिक उपाय अपनाने की छूट दी है। न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने कहा कि केंद्र सरकार याचिकाकर्ता की शिकायत के समाधान के लिए कोई समय सीमा नहीं दे पा रही है, ऐसे में इस याचिका को लंबित रखने का कोई औचित्य नहीं है।

अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अन्य वैकल्पिक कानूनी उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र है। गत 21 अप्रैल को हुई पिछली सुनवाई में अदालत को बताया गया था कि केंद्र ने ब्रिटेन की सरकार को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता होने के दावों के बारे में जानकारी

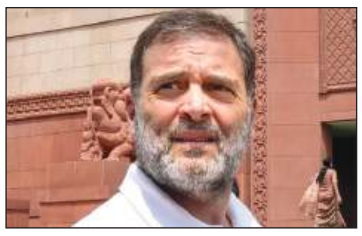

मांगी है। पीठ ने राहुल गांधी की नागरिकता विवाद को लेकर दायर याचिका पर केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वह 10 दिनों में इस संबंध में याची की ओर से दाखिल प्रत्यावेदन को निस्तारित करें।

मामले में याची की ओर से दलील दी गई है कि उसके पास तमाम दस्तावेज और ब्रिटिश सरकार के कुछ ई-मेल हैं जिनसे यह सिद्ध होता है कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी वजह से वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं तथा लोकसभा सदस्यता के योग्य नहीं हैं। इसी आधार पर, याची ने राहुल गांधी की सांसद पद पर बने रहने के खिलाफ अधिकार पृच्छा रिट जारी करने का आदेश देने का भी अनुरोध किया था।

लाल किले पर दावा करने वाली महिला की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

महिला से बोले सीजेआई तो फतेहपुर सीकरी क्यों नहीं

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले पर कब्जा मांगने पहुंचीं महिला की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया। महिला का दावा था कि वह मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर द्वितीय के परपोते की विधवा है। अदालत का कहना है कि याचिका गलत और निराधार थी। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट की तरफ से महिला की अपील खारिज की गई थी।

याचिका पर सीजेआई यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच सुनवाई कर रही थी। उन्होंने कहा, शुरुआत में दाखिल की गई रिट याचिका गलत और निराधार थी। इस पर विचार नहीं कर सकते। साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता सुल्ताना बेगम को याचिका वापस लेने की भी अनुमति नहीं दी। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार से हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में था मामला

बीते साल 13 दिसंबर को दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने बेगम की उस अपील को खारिज कर दिया था, जो उन्होंने दिसंबर 2021 में उच्च न्यायालय के सिंगल जज बेंच के फैसले के खिलाफ दाखिल की गई थी। अदालत ने इस बात पर गौर किया था कि फैसले के खिलाफ अपील ढाई साल के बाद की गई थी। इसपर बेगम का तर्क था कि खराब स्वास्थ्य और उनकी बेटी के गुजर जाने के चलते अपील देर से कर सकी थीं।

20 दिसंबर 2021 को सिंगल जज ने बेगम की याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने दावा किया था कि लाल किले को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की तरफ से अवैध रूप से कब्जे में ले लिया गया था। उन्होंने लाल किले पर कब्जा दिलाने की अपील की थी। तब जज ने याचिका को यह कहकर खारिज किया था 150 साल से ज्यादा समय के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया गया है।

याचिका में दावा किया गया था कि 1857 में स्वतंत्रता के पहले युद्ध के बाद ब्रिटेन ने उनकी संपत्ति से वंचित कर दिया था, जिसके बाद बादशाह को देश से निर्वासित किया गया और लाल किले पर अवैध कब्जा कर लिया गया था।

सभासद के एक पद पर सपा, दूसरे पर निर्दलीय का कब्जा

अयोध्या में भाजपा की दोनों सीटों पर हार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। नगर पंचायत बीकापुर और खिरौनी सुचितागंज में सभासद पद के उपचुनाव में निर्दल और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। दोनों सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। सोमवार को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

नगर पंचायत बीकापुर में सभासद पद के लिए नगर निकाय उपचुनाव में वार्ड संख्या तीन में निर्दल उम्मीदवार अंकिता कनौजिया ने भाजपा उम्मीदवार को रिकॉर्ड मतों से हराकर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया। सोमवार सुबह तहसील सभागार में शुरू हुई मतगणना के बाद निर्दल उम्मीदवार अंकिता को 399 मत प्राप्त हुए। जबकि भाजपा उम्मीदवार गायत्री देवी को 290 मतों पर ही संतोष करना पड़ा।अंकिता कनौजिया 109 मतों से विजई घोषित की गईं।

निर्वाचन अधिकारी खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने अंकिता को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अनुसूचित महिला जाति के लिए आरक्षित वार्ड संख्या तीन तेंदुआमाफी की सभासद रहीं राधा कनौजिया का कुछ माह

पहले बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उपचुनाव कराया गया। उप चुनाव में विजेता उम्मीदवार अंकिता दिवंगत सभासद राधा कनौजिया की बहू हैं।

इसी तरह सोहावल की नगर पंचायत खिरौनी सुचितागंज में संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वार्ड संख्या एक विसुहिया में सभासद पद पर हुए चुनाव की मतगणना में पहले राउंड में ही सपा प्रत्याशी पार्वती देवी ने बढ़त बना ली। पार्वती देवी पहले राउंड में 228 मत पाकर भाजपा प्रत्याशी बिंदु रावत से 107 मतों से बढ़त बना चुकी थीं। एक वोट नोटा पर भी गया है। इस प्रकार नगर पंचायत खिरौनी के उप चुनाव में भी यह सीट सपा के खाते में चली गई। यह सीट पहले भी सपा के खाते में गई थी।